www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 03 || लखनऊ
शुक्रवार
03 अप्रैल 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:55
सूर्यास्त: 06:24
अधिकतम: 37:00
न्यूनतम: 23:00

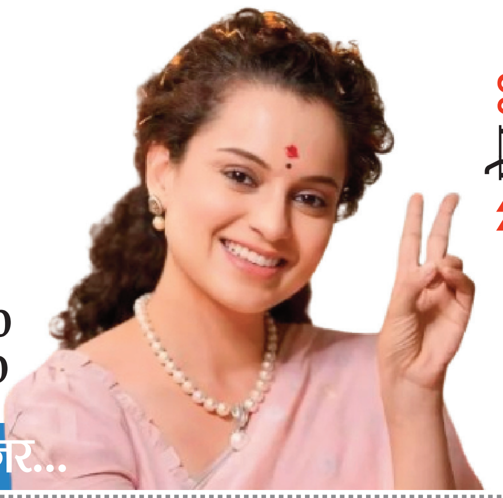

पेज 03

विशेष समाचार | शिक्षा को कौशल आधारित ... >> पेज 02 | ज्वेलर्स के 3 मंजिला मकान में... >> पेज 04 | 'क्वीन 2' में कंगना रनोट नजर...

15 दिन बंगाल में रहूंगा : शाह

ममता को घर में हराना है, टीएमसी को खाड़ी में फेंक दो, शाह को काले झंडे दिखाए

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में रोड शो किया। उन्होंने कहा- मैं अगले 15 दिन बंगाल में रहने वाला हूं। TMC को जड़ से उखाड़ फेंकने और उसे बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए हर किसी को बिना किसी डर के वोट देना चाहिए। कोई भी गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता। शाह का काफिला जब कालीघाट पहुंचा, जहां से ममता का घर कुछ ही दूर है वहां पर TMC कार्यकर्ता ने काफिले के सामने जय बांग्ला और ममता बनर्जी जिंदाबाद के नारे लगाए। सिर पर काला कपड़ा बांधे लोगों ने अमित शाह गो बैक के नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए। इसके बाद टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में झड़प होने लगी। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की और भीड़ पर कंट्रोल किया। इससे पहले शाह ने कोलकाता में रैली में कहा- सुवेंदु अधिकारी नंदीग्राम से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन मैंने उनसे कहा कि सिर्फ नंदीग्राम में ही नहीं बल्कि हमें ममता को उनके घर में भी हराना होगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

गृह मंत्री अमित शाह ने भवानीपुर में रैली की।

चुनाव से जुड़े 3 बड़े अपडेट्स

- मालदा की घटना पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी के बयान इसके जिम्मेदार हैं।
- केरलम चुनाव के लिए LDF और UDF ने घोषणापत्र जारी किया। कांग्रेस कई अन्य पार्टियों के साथ यूडीएफ गठबंधन में शामिल है।
- मुस्लिम CM वाले बयान पर BJP ने कहा, अगर मुसलमान अपने में से किसी को नेता चुनते हैं, तो ममता की पार्टी को बंगाल में 30 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

पीएम ने केरल भाजपा के कार्यकर्ताओं से कहा- मेरे लिए आप ही मोदी हैं

केरल विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार राज्य केवल नई सरकार नहीं, बल्कि एक नई व्यवस्था चुनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा-एनडीए के पक्ष में माहौल बन रहा है।

"पीएम मोदी ने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलडीएफ और यूडीएफ अब एक-दूसरे पर हमला करने के बजाय भाजपा को निशाना बना रहे हैं। दरअसल, सीएम ममता पश्चिम बंगाल की भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ रही हैं। बीजेपी ने उनके खिलाफ सुवेंदु अधिकारी को दोनों सीट से मैदान में उतारा है।"

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए 40 देशों की बैठक

ब्रिटेन ने भारत को बुलाया, ईरान से भी बातचीत

आमंत्रित

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने इस बात की पुष्टि की है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने के लिए बातचीत की खातिर उसे भी आमंत्रित किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि ब्रिटेन की तरफ से कई देशों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर बातचीत के लिए बुलाया गया है, जिसमें भारत भी शामिल है। भारत की तरफ से विदेश सचिव गुरुवार शाम इस बैठक में शामिल हुए। रणधीर जायसवाल ने कहा, हम ईरान और वहां के दूसरे देशों के संपर्क में हैं, ताकि यह देख सकें कि हम अपने जहाजों के लिए बिना किसी रुकावट के और सुरक्षित आवाजाही कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं। इन जहाजों में LPG, LNG और अन्य सामान ले जाया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में हुई बातचीत के जरिए, हमारे छह भारतीय जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित रूप से पार करने में कामयाब रहे हैं, और हम संबंधित पक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

शाह के 15 दिन राज्य में रहने के ऐलान को टीएमसी ने राजनीतिक पर्यटन बताया

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले टीएमसी ने अमित शाह के 15 दिन राज्य में रहने के ऐलान पर तंज कसा। पार्टी ने कहा कि बंगाल पर्यटकों का स्वागत करता है और उन्हें यहां के मशहूर व्यंजन जैसे इलिश, चिंगड़ी मलाई करी और कोशा मंग्शो का स्वाद लेना चाहिए। टीएमसी ने इसे राजनीतिक पर्यटन बताया। अब बदलाव के लिए भाजपा को अवसर मिलना चाहिए। क्रिकेट का उदाहरण देते हुए उन्होंने भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन का जिक्र किया और कहा कि जैसे बड़े खिलाड़ी निर्णायक समय में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, वैसे ही वोटिंग के दिन कार्यकर्ताओं को और ज्यादा मेहनत करनी होगी।

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए भवानीपुर सीट से नामांकन दाखिल किया।

प्रियंका ने कहा- मोदी भारत के लिए नहीं लड़ रहे

केरलम के कोल्लम में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा, 'एलपीजी और ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इन सबके बीच, मोदी के नेतृत्व में हमारी केंद्र सरकार की क्या नीति है? वे अपने लोगों के लिए नहीं लड़ रहे हैं। वे भारत के लिए नहीं लड़ रहे हैं। वे भारत के पक्ष में खड़े नहीं हो रहे हैं। वे सिर्फ अमेरिका के आगे झुक रहे हैं, इजराइल के आगे झुक रहे हैं।

"कांग्रेस एमपी राहुल गांधी ने कहा- जुबीन गर्ग ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बात की, एकता और सांप्रदायिक सद्भाव की अपील की। उनके सोच हिमंत के विचारों से बिल्कुल अलग थे। हिमंता सरमा जिसके साथ भी काम करते हैं उन्हें वे धोखा देते हैं। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में टीवीके नेता विजय के रोड शो के दौरान पुलिसकर्मी के पैर में चोट लगी। असम के जोरहाट में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा- नरेंद्र मोदी का भविष्य ट्रंप के हाथों में है। डोनाल्ड ट्रम्प नरेंद्र मोदी को कंट्रोल करते हैं।

गडकरी बोले- हमें देश को, असम को बचाना होगा

असम के गुवाहाटी पहुंचे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- जो विदेशी नागरिक विदेश से हमारे देश में आते हैं, क्या उन्हें वोट देने का अधिकार दिया जाना चाहिए? कोई भी देश ऐसी अनाधिकृत घुसपैठ की अनुमति नहीं दे सकता। इसलिए मैं यहां आपसे एक विनम्र अपील करने आया हूं कि हमें असम को बचाना होगा, हमें देश को बचाना होगा। हमें असम के विकास और देश के विकास को सुनिश्चित करना होगा। इसे हासिल करने के लिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव में पूर्ण बहुमत से जीत हासिल करे।

केरल: यूडीएफ नेता बोले- केरल में गांधी परिवार के लिए सम्मान

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी केरल के कोल्लम में हैं। यहां की चावरा सीट से UDF उम्मीदवार शिबू बेबी जॉन ने कहा- केरल एक ऐसा राज्य है, जहां गांधी परिवार के लिए बहुत ज्यादा सम्मान है, यहां तक कि राजनीति से परे भी और इसी वजह से भी। केरल के आम लोग गांधी परिवार को बहुत सम्मान की नजर से देखते हैं। तो इस लिहाज से यह निश्चित रूप से हमारे लिए फायदेमंद है। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि वे हर घर तक पहुंचें और लोगों से भाजपा-एनडीए को सिर्फ पांच साल का मौका देने की अपील करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और वाम दलों को जनता 75 साल से देखती आ रही है।

तेजस्वी बोले- केरलम में फिर एलडीएफ की सरकार बनेगी

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि केरलम में फिर LDF की सरकार बनेगी। यह केरल में मेरे प्रचार का तीसरा दिन है। LDF सरकार द्वारा किया गया विकास, खासकर पी पिजयनजी का नेतृत्व, काफी शानदार है। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में अभिनेता देव के चुनाव प्रचार के लिए आने पर आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र से TMC उम्मीदवार मलय घटक ने कहा- देव बंगाली फिल्मों के नंबर एक हीरो हैं। वह चुनाव प्रचार के लिए आ रहे हैं। वह हमारे TMC सांसद हैं। यहां से हम कोर्ट तक एक रैली निकालेंगे और उसके बाद हम अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक, सुप्रीम कोर्ट नाराज

वोटर लिस्ट से नाम कटने पर लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में SIR से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा।

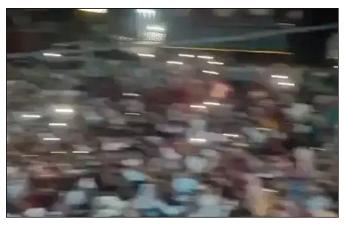

दरअसल, 7 न्यायिक अधिकारी बुधवार को मालदा के बीडीओ ऑफिस पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया। मालदा में लगातार दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। गुरुवार को नारायणपुर स्थित BSF कैंप के सामने भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया। सड़क पर टायरों में आग लगा दी गई।

फास्ट न्यूज़

नीतीश से मिले तेजस्वी के बागी विधायक

पटना। बिहार की सियासत में जल्द ही बड़ा उलटफेर होने वाला है। सूत्रों के अनुसार, सीएम नीतीश 10 अप्रैल को राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इसके बाद 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके साथ ही 18 तारीख तक बिहार में नई सरकार का गठन होगा। सीएम के इस्तीफे की चर्चाओं के बीच उनकी सिक्योरिटी को लेकर बड़ा फैसला किया गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट में एएनआई-ओपनएआई केस का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने ANI और OpenAI से जुड़े मामले में सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया है। ANI ने OpenAI पर चैटजीपीटी (ChatGPT) को ट्रेन करने के लिए उसकी खबरों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। ANI का आरोप है कि OpenAI ने वेब टूल्स के माध्यम से उसका कंटेंट इकट्ठा किया और बिना परमिशन-भुगतान उसकी खबरों का इस्तेमाल कर ChatGPT को ट्रेन किया। के मुताबिक यह फेयर डीलिंग के नियमों में नहीं आता, क्योंकि इसका उपयोग कमाई और व्यवसाय के लिए किया जा रहा है।

योगी से मिलने सीएम आवास पहुंचे गौतम अडाणी

अयोध्या। बिजनेसमैन गौतम अडाणी लखनऊ पहुंच गए हैं। गुरुवार शाम को वह सीएम योगी के आवास पहुंचे हैं। कुछ देर में योगी से मुलाकात करेंगे। इससे पहले उन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। उन्होंने पत्नी डॉ. प्रीति अडाणी, बड़े बेटे करण और बहू पारिधि अडाणी के साथ विधि-विधान से रामलला की पूजा की। आरती की। पुजारी से तिलक लगवाया। प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर का भ्रमण कर राम मंदिर निर्माण के बारे में जानकारी ली।

छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों को योगी सरकार का दूसरा मौका

समाज कल्याण विभाग ने 2025-26 की छात्रवृत्ति योजना के लिए पोर्टल फिर से खोला

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने छात्रों के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। योगी सरकार ने तय किया है कि छात्रवृत्ति से वंचित रह गए छात्रों को एक और मौका दिया जाएगा। समाज कल्याण विभाग जल्द ही शैक्षिक सत्र 2025-26 के तहत चल रही छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के छूटे हुए छात्रों के लिए पोर्टल दोबारा खोलेगा, ताकि स्कॉलरशिप के लिए छूटे हुए छात्र आवेदन कर सकें। समाज कल्याण विभाग के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी इसी तरह की पहल के तहत पोर्टल खोला गया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ किसे मिलता है?

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ सामान्य वर्ग, अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) के साथ-साथ ट्रांसजेंडर समुदाय के विद्यार्थियों को भी मिलेगा, जो पहले चरण में किसी वजह से छूट गए थे। सरकार का लक्ष्य है कि पैसे की कमी के कारण किसी भी मेधावी छात्र का भविष्य अंधकार में न रहे।

महिला आरक्षण पर संसद में 16 अप्रैल से चर्चा

लोकसभा की सीटें 543 से 816 की जा सकती हैं, बजट सत्र का 3 दिन का सेशन

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का 3 दिन का सेशन 16 से 18 अप्रैल को होगा। सरकार ने बजट सत्र को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब राज्यसभा और लोकसभा 13 दिन के ब्रेक के बाद 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर से बैठेंगी। इसमें महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े अहम बिल पर चर्चा की जाएगी। सरकार लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। प्रस्तावित 50% की बढ़ोतरी के साथ सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिसमें से 273 (करीब एक तिहाई) सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

सरकार का मकसद 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन करना है। इसके जरिए महिलाओं के लिए तय कोटे को परिसीमन प्रक्रिया से अलग करना है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' साल 2023 में पारित किया गया था। झारखंड से बीजेपी सांसद आदित्य प्रसाद ने सदन में बच्चों की बलि से जुड़ी घटनाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड में एक 13 साल की लड़की की उसकी मां ने बलि के नाम पर हत्या कर दी, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने एक और घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर बच्चे की बलि दी थी, जिस पर देशभर में विरोध हुआ और बाद में मामला सुलझा। उन्होंने आरोप लगाया कि झामुमो (JMM) की सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है। एनसीपी (SCP) सांसद फौजिया खान ने सदन में कहा कि बीमा कंपनियां प्रीमियम जमा करने के लिए सिर्फ 30 दिन का ग्रेस पीरियड देती हैं। अगर नौकरी जाने या मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थिति में एक बार भुगतान छूट जाए, तो सालों से चल रही पॉलिसी खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि बीमा पॉलिसी का मकसद संकट के समय परिवार को सहारा देना होता है, लेकिन मौजूदा नियमों से उल्टा असर पड़ रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

सरकार बोली- प्री-पेड बिजली मीटर लगाना जरूरी नहीं

केंद्र सरकार ने लोकसभा में कहा कि उपभोक्ताओं के लिए प्री-पेड बिजली मीटर लगाना अनिवार्य नहीं है।प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यह स्पष्ट किया। उन्होंने इस बात को भी खारिज किया कि सरकार निजी कंपनियों की तरह उपभोक्ताओं को प्री-पेड मीटर अपनाने के लिए मजबूर कर रही है।

जयराम रमेश ने पूछा- सत्र कल भी जारी रहेगा या अनिश्चितकाल के लिए स्थगित?

राज्यसभा के सभापति ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) बिल पर चर्चा जारी रखने के लिए लंच ब्रेक छोड़ने की अनुमति मांगी। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सदन की स्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या राज्यसभा की कार्यवाही अगले दिन भी चलेगी या सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया जाएगा।

दावा- सरकार अप्रैल के तीसरे हफ्ते में लोकसभा की सीटें बढ़ाने के लिए विधेयक ला सकती है

सरकार लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने के लिए एक संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। फिलहाल लोकसभा में 543 सीटें हैं। प्रस्तावित 50% की बढ़ोतरी के साथ, सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिसमें से 273 (लगभग एक तिहाई) सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

जानकारी : सदन में पार्टी की तरफ से नहीं बोलेंगे, गिग वर्कर्स-मोबाइल रीचार्ज जैसे मुद्दे उठा चुके

राज्यसभा में डिप्टी लीडर पद से राघव चड्ढा की छुट्टी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया। राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को उनकी जगह दे दी। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर जानकारी दी। लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि, उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और AAP को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं। 27 फरवरी को जब सीबीई की अदालत से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में राहत मिली, तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। राज्यसभा में वे लोगों से जुड़े गिग वर्कर्स और स्कूल फीस जैसे मुद्दे उठा रहे थे। अशोक मित्तल भी पंजाब से AAP के राज्यसभा सांसद हैं। पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं। 2022 में राज्यसभा सांसद बने थे। राजनीति में आने से पहले वह कामयाब बिजनेसमैन रहे हैं। उनका परिवार 'लवली ग्रुप' का मालिक है, जो ऑटोमोबाइल और मिठाई (लवली स्वीट्स) के व्यवसाय से जुड़ा है।

संसद के पिछले दो सत्रों में राघव ने आम लोगों से जुड़े मुद्दे उठाए

शीतकालीन सत्र 2025

1 **गिग वर्कर्स का मुद्दा:** ब्लिंकिट, जोमैटो और स्विगी जैसे डिलीवरी पार्टनर्स के कम वेतन, 10-मिनट डिलीवरी मॉडल और सामाजिक सुरक्षा की कमी।

2 **डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स:** कॉपीराइट एक्ट 1957 में संशोधन की मांग की, ताकि शिक्षकों और इन्फ्लुएंसर्स को एल्गोरिदम और गलत 'टेकडाउन' से बचाया जा सके।

3 **स्वास्थ्य क्षेत्र:** 'एक देश, एक स्वास्थ्य उपचार' (One Nation, One Health Treatment) की वकालत की और सरकारी अस्पतालों की बदहाली पर चिंता जताई।

बजट सत्र 2026

1 **खाद्य मिलावट:** राज्यसभा में यूरिया और अन्य मिलावटों का मुद्दा उठाया।

2 **एयरपोर्ट पर सस्ता खाना:** यात्रियों को सस्ता खाना मिले, इसके लिए सभी 150+ एयरपोर्ट्स के डिपार्चर एरिया में किफायती कैफे की मांग की।

3 **28-दिन का रीचार्ज:** मोबाइल रीचार्ज 28 दिन के बजाय पूरे कैलेंडर महीने (30 ये 31) का हो, बचा हुआ डेटा अगले महीने जुड़ जाए।

4 **बैंक पेनल्टी:** मिनिमम बैलेंस न रखने पर लगने वाले जुर्माने को पूरी तरह खत्म करने का प्रस्ताव दिया।

5 **संयुक्त इनकम टैक्स फाइलिंग:** विवाहित जोड़ों के लिए एक साथ इनकम टैक्स फाइलिंग का विकल्प दिया जाए।

6 **पितृत्व अवकाश:** भारत में पितृत्व अवकाश (paternity leave) को एक कानूनी अधिकार बनाया जाना चाहिए।

आई-पीएसी के दिल्ली-बेंगलुरु, हैदराबाद के ठिकानों पर ईडी की रेड

कंपनी ममता की पार्टी टीएमसी का चुनाव मैनेजमेंट देख रही

छापेमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने गुरुवार को पॉलिटिकल कंसल्टेंट कंपनी I-PAC के तीन ठिकानों पर छापेमारी की। टीम दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में कंपनी के दफ्तरों पर कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, छापेमारी कोयला चोरी और घोटाले से जुड़े मामले में हो रही है। कंपनी के को-फाउंडर और डायरेक्टर ऋषि राज सिंह के ठिकाने भी इस कार्रवाई के दायरे में हैं। I-PAC पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी TMC के लिए चुनाव मैनेजमेंट का काम देखती है। I-PAC और उसके डायरेक्टर पर करोड़ों रुपए के कोयला चोरी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। इस मामले में CBI ने 27 नवंबर 2020 को FIR दर्ज की थी। पूरा मामला करीब 2,742 करोड़ रुपए से जुड़ा है। इससे पहले जनवरी में ED ने कोलकाता में I-PAC के दफ्तर और डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की थी। हाल ही में ED ने सिंह और जैन को बयान दर्ज कराने के लिए समन भेजा था। दोनों ने इन नोटिस को रद्द कराने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। उनका कहना है कि वे बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव में व्यस्त हैं। ममता 8 जनवरी की दोपहर 12 बजे I-PAC के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पहुंची थीं।

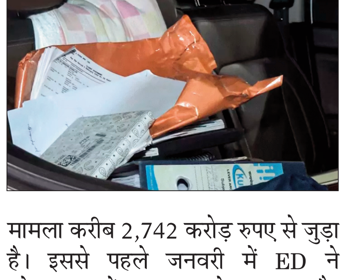

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

ईरान जंग ने तोड़ा नाटो और अमेरिका का रिश्ता

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय समयानुसार 2 अप्रैल की सुबह ईरान पर छिड़ी जंग को खत्म करने का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि ट्रंप ने पिछले 32-33 दिनों में न जाने कितनी बार यह कहा है कि युद्ध कभी भी खत्म हो सकता है और हमने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। दरअसल ट्रंप ईरान में शासन बदलने की बात करते हैं और हाल में उन्होंने बयान दिया है कि ईरान का शासन बदला जा चुका है। अब वहां जो लोग सत्ता में हैं, वो हमारी बात सुन रहे हैं। जबकि ईरान लगातार अमेरिका के दावों को नकार रहा है और उसके पलटवार जारी हैं। इसलिए ट्रंप की बातों पर कितना यकीन किया जाए, यह कहा नहीं जा सकता। अब कल पता चलेगा कि इस जंग को जारी रखने या रोकने को लेकर वे क्या बयान देते हैं। इस बीच ट्रंप के युद्ध रोकने के संकेत देखकर शेयर बाजार में जरूर बढ़त देखी गई। जिससे समझ आता है कि यह सारा खेल असल में चंद व्यापारियों को मुनाफा कमाने का अवसर देने का ही है। बाकी जिन भी कारणों से युद्ध छेड़ा गया, वो सब बहाने से ज्यादा कुछ नहीं थे। बहरहाल, अब युद्ध खत्म होने की बात जब होने लगी है, तो यह देखना दिलचस्प है कि इसमें अपनी जीत के दावे के बावजूद अमेरिका यह नहीं बता पा रहा है कि उसने ईरान को कैसे हराया है। क्योंकि ईरान की हार के कोई लक्षण अब तक तो नहीं दिखे। दूसरी तरफ अमेरिका जरूर अकेला पड़ता हुआ दिख रहा है। इस युद्ध के बाद वैश्विक व्यवस्था बदलने के जो आसार दिख रहे हैं, उसमें सबसे अहम बदलाव यही है कि अमेरिका और नाटो देशों के बीच बड़ी दरार कायम हो चुकी है। पाठक जानते हैं कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सोवियत संघ के बढ़ते प्रभाव को रोकने और साम्यवाद के बरक्स पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ाने के लिए 4 अप्रैल 1949 को उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन यानी (एनएटीओ- नाटो) की स्थापना हुई। इसमें अमेरिका के साथ कई यूरोपीय देश शामिल हुए। नाटो के अनुच्छेद 5 में कहा गया है कि यदि किसी एक सदस्य देश पर सशस्त्र हमला होता है, तो उसे सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा और अन्य सदस्य सहायता करेंगे। इसी आधार पर ट्रंप ने यह मान रखा था कि जब ईरान पर हमले में साथ देने की बारी आएगी तो नाटो सहयोगी उसमें कोई आनाकानी नहीं करेंगे। लेकिन ट्रंप यह भूल गए कि अमेरिका पर हमला नहीं हुआ है, बल्कि अमेरिका ने हमला किया है। एक अवांछित लड़ाई ट्रंप ने शुरु की और चाहते हैं कि यूरोप के नाटो देश उसमें साथ दें। लेकिन इटली, जर्मनी, ब्रिटेन, स्पेन जैसे देशों ने जब अमेरिका को दो टूक मना कर दिया कि वो इस लड़ाई का हिस्सा नहीं बनना चाहते तो अब अमेरिका नाटो की अनुपयोगिता साबित करने में लगा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने साफ कर दिया है कि ईरान जंग के बाद नाटो देशों से हिसाब चुकता किया जाएगा। मार्को रुबियो ने कहा- हमें अपने देश के लिए उस गठबंधन में नाटो की अहमियत की दोबारा जांच करनी होगी। रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका अपने नाटो सहयोगियों से ईरान के खिलाफ हवाई हमले करने की मांग नहीं कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया- जब हमें सिर्फ उनके सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करने की अनुमति चाहिए होती है और उनका जवाब 'नहीं' होता है? तो फिर सवाल उठता है कि आखिर हम नाटो में क्यों हैं? हमें यह सवाल पूछना ही होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस विषय पर अंतिम फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ही होगा। वैसे ट्रंप पहले से ही नाटो पर भड़के हुए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को खोलने के लिए ट्रंप ने नाटो सहयोगियों से अपील की कि वे मदद करें। तो कई देशों ने मना कर दिया। इस पर नाराज ट्रंप ने नाटो देशों को कागजी शेर तक बता दिया और कहा कि अमेरिका सदैव उनकी रक्षा करता है, लेकिन वे अमेरिका के लिए कुछ नहीं करते। हाल ही में ट्रंप ने कहा था कि अगर नाटो सहयोगी मदद नहीं करेंगे तो नाटो का बहुत बुरा भविष्य होगा। बता दें कि नाटो के सभी सदस्यों का संयुक्त सैन्य खर्च दुनिया के रक्षा व्यय का 70प्रतिशत से अधिक है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका अकेले दुनिया का कुल सैन्य खर्च का आधा हिस्सा खर्च करता है और ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली 15प्रतिशत खर्च करते हैं। लेकिन अब ट्रंप नाटो पर किए जाने वाले खर्च से हाथ पीछे खींचने के संकेत दे रहे हैं। ट्रंप ने कहा, 'इससे अमेरिका को बहुत पैसा मिलेगा, क्योंकि हम नाटो पर हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करते हैं।' दूसरी तरफ, ट्रंप ने कई मध्य पूर्वी देशों के समर्थन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे नाटो सदस्यों की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने कहा, 'वे नाटो से भी अधिक मजबूती से खड़े रहे,' और यह भी जोड़ा कि वाशिंगटन को 'उन देशों से जबरदस्त समर्थन मिला जो नाटो क्षेत्र में नहीं थे।' ट्रंप की ये बयानबाजी, नाटो से नाराजगी और मध्यपूर्व के कुछ देशों की तारीफ बता रही है कि अब दुनिया में अमेरिका की वह ताकत नहीं रही जो दूसरे विश्वयुद्ध के बाद बनना शुरु हुई थी और जिसमें सोवियत संघ के विघटन के बाद बहुत इजाफा हो गया था। अब फिर से ताकत के नए केंद्र बनने लगे हैं। जिनमें रूस फिर से अपनी पुरानी जगह पर लौट रहा है, क्योंकि होर्मुज मार्ग बंद होने के बाद भारत समेत कई देश रूस से ही तेल खरीदने पर मजबूर हुए हैं और इसमें उसे लाभ मिला है। इधर चीन को भी अपनी ताकत बढ़ाने का मौका मिला है।

शिक्षा को कौशल आधारित बनाना राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक

> कौशल आधारित शिक्षा का महत्व केवल रोजगार तक सीमित नहीं है; यह उद्यमिता और नवाचार को भी प्रोत्साहित करती है। जब विद्यार्थियों को समस्या समाधान, डिजाइन, प्रोजेक्ट आधारित सीखने और वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों पर आधारित शिक्षा दी जाती है, तो वे केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाले उद्यमी भी बन सकते हैं।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक आधार उसकी मानव संसाधन क्षमता होती है और यह क्षमता शिक्षा के माध्यम से निर्मित होती है। किंतु केवल डिग्री आधारित या सैद्धांतिक शिक्षा आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं को पूरा करने में पर्याप्त नहीं रही है। आज के समय में उद्योग, सेवा क्षेत्र और डिजिटल अर्थव्यवस्था ऐसे कर्मियों की माँग करते हैं जो न केवल ज्ञान रखते हों, बल्कि उस ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू करने की दक्षता भी रखते हों। इस संदर्भ में शिक्षा को कौशल आधारित बनाना केवल शैक्षिक सुधार का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक रणनीति का केंद्रीय तत्व बन गया है। यदि शिक्षा प्रणाली रोजगार, उद्यमिता और नवाचार के लिए आवश्यक कौशल विकसित नहीं कर पाती, तो उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की बड़ी संख्या भी बेरोजगारी या अल्परोजगारी का सामना करती है, जिससे राष्ट्र की उत्पादक क्षमता प्रभावित होती है। भारत में कौशल और रोजगार के बीच असंतुलन एक लंबे समय से पहचानी गई समस्या है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में यह तथ्य सामने आया कि केवल 8.25 प्रतिशत स्नातक ही ऐसे कार्यों में लगे हैं जो उनकी शैक्षिक योग्यता के अनुरूप हैं, जबकि आधे से अधिक स्नातक कम कौशल वाले कार्यों में संलग्न पाए गए। यह आँकड़ा इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पारंपरिक शिक्षा प्रणाली और श्रम बाजार की वास्तविक आवश्यकताओं के बीच गंभीर अंतर मौजूद है। इसी प्रकार विभिन्न कौशल आकलन रिपोर्टों में यह पाया गया कि भारतीय स्नातकों की कुल रोजगारयोग्यता लगभग 54.81 प्रतिशत के आसपास है, अर्थात लगभग आधे शिक्षित युवा भी उद्योग की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आर्थिक विकास, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर पड़ता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस समस्या को पहचानते हुए शिक्षा को अधिक लचीला, बहुविषयी और कौशल उन्मुख बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। नीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा तथा वर्ष 2025 तक कम से कम 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को किसी न किसी रूप में व्यावसायिक शिक्षा से परिचित कराने का लक्ष्य रखा गया है। यह दृष्टिकोण इस समझ पर आधारित है कि कौशल केवल उच्च शिक्षा के बाद सिखाने की वस्तु नहीं है, बल्कि उसे प्रारंभिक शिक्षा से ही जीवन कौशल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके बावजूद वास्तविक स्थिति यह दर्शाती है कि कौशल आधारित शिक्षा का प्रसार अभी सीमित है। एक राष्ट्रीय आकलन में पाया गया कि भारत के केवल 47 प्रतिशत विद्यालय ही कक्षा 9 से ऊपर के छात्रों के लिए कौशल आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं और इनमें भी केवल लगभग 29 प्रतिशत छात्र ही इन पाठ्यक्रमों का चयन करते हैं। यह अंतर बताता है कि नीति स्तर पर घोषित लक्ष्य और जमीनी स्तर पर उसके क्रियान्वयन के बीच अभी भी बड़ी दूरी है। यदि विद्यालय स्तर पर ही छात्रों को व्यावसायिक विकल्पों से परिचित नहीं कराया जाएगा, तो उच्च शिक्षा के बाद अचानक कौशल प्रशिक्षण देने का प्रयास कम प्रभावी सिद्ध होता है। वैश्विक स्तर पर भी यह स्वीकार किया गया है कि कौशल असंतुलन आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक बड़ी चुनौती है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार कौशल असंतुलन तब उत्पन्न होता है जब श्रमिकों के पास उपलब्ध कौशल और उद्योग द्वारा माँगे जा रहे कौशल के बीच अंतर होता है, जिससे उत्पादकता और रोजगार दोनों प्रभावित होते हैं। भारत जैसे देश, जहाँ हर वर्ष बड़ी संख्या में युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं, वहाँ यह असंतुलन और भी गंभीर रूप ले सकता है यदि शिक्षा प्रणाली समय रहते स्वयं को परिवर्तित न करे। डिजिटल क्रांति और स्वचालन के बढ़ते प्रभाव ने कौशल आधारित शिक्षा की आवश्यकता को और अधिक अनिवार्य बना दिया है। हालिया कौशल अंतर रिपोर्टों में यह सामने आया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डेटा विश्लेषण और डिजिटल तकनीक से जुड़े कौशल भविष्य के रोजगार बाजार में सबसे अधिक माँग में रहने वाले कौशलों में शामिल हैं। इसका अर्थ यह है कि पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ नई तकनीकों से जुड़े व्यावहारिक प्रशिक्षण को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा, अन्यथा युवा पीढ़ी तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा करने में

पीछे रह जाएगी। विकसित देशों में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने का एक प्रमुख उद्देश्य यही रहा है कि युवा केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि उद्योग और समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान खोजने में सक्षम बनें। भारत में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पॉलिटेक्निक और विभिन्न कौशल विकास योजनाएँ लंबे समय से अस्तित्व में हैं, परंतु इन संस्थानों की सामाजिक प्रतिष्ठा और पहुँच अभी भी सीमित है। पारंपरिक मानसिकता के कारण अनेक परिवार व्यावसायिक शिक्षा को सामान्य शिक्षा की तुलना में कम प्रतिष्ठित मानते हैं, जिसके कारण बड़ी संख्या में छात्र सामान्य स्नातक पाठ्यक्रमों की ओर आकर्षित होते हैं, भले ही उनके बाद रोजगार की संभावना कम हो। इस सामाजिक दृष्टिकोण को बदलना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि शैक्षिक ढाँचे में सुधार करना। सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और अन्य कौशल उन्नयन कार्यक्रमों का उद्देश्य इसी अंतर को कम करना रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से लाखों युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण, पूर्व अनुभव की मान्यता और उद्योग से जुड़े पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं। हाल के वर्षों में इन कार्यक्रमों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन तकनीक, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा जैसे उभरते क्षेत्रों से भी जोड़ा गया है, जिससे प्रशिक्षण अधिक भविष्य उन्मुख बन सके।

डॉ. शैलेश शुक्ला

जब भक्ति जीवन...

ललित गर्ग

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है। हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को "राम का दास" कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं। हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है-"ज्ञानिनामग्रगण्यम"। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान

के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताआंे में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवंे रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियांे में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे। हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देतेहैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है। हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है।

हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में।

बिहार राज्य आपदा...

कमलेश पांडेय

बिहारशरीफ, नालंदा स्थित शीतला माता मंदिर में हुए हादसे से उभरते सवाल मांग रहे जवाब?

जब दुनियादारी से परेशान व्यक्ति ईश्वरीय आस्था की शरण में जाता है तो उसके बेचैन मन को असीम शांति मिलती है। फलस्वरूप वह नाना प्रकार के रोगों से प्रभावित होते रहने से बच जाता है। वहीं उसकी मनोकामनाएं रूपीं मन्नतें भाव मार्ग द्वारा सम्बन्धित हृदय को प्रभावित करते हुए द्रवित करती हैं जिससे श्रद्धालु के मनोरथ पूरे हो जाते हैं। यही वजह है कि ईश्वरीय आस्था व विश्वास हर धर्म में किसी न किसी रूप में व्याप्त और सर्वव्यापी है। मौजूदा दौर में धर्म-कर्म को भी मुनाफे का धंधा बना दिया गया है। जहां अमीर मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण कसा हुआ है, वहीं गरीब मंदिरों की व्यवस्था भगवान भरोसे या मंदिर स्वयंसेवक के जरिए संचालित होते हैं। इनमें से कुछ मंदिरों में भारी भीड़ होती है, लेकिन स्थानीय सिविल प्रशासन की अदूरदर्शिता और पुलिस प्रशासन की लापरवाही से जब तब हादसे होते रहते हैं। लिहाजा सुव्यवस्था व सुशासन अक्सर सवालों के घेरे में रहते आये हैं। ताजा मामला बिहार के अभागे जिला नालंदा का है जहां के मूल निवासी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अस्ताचलगामी राजनीतिक साम्राज्य के लिए शीतला माता मंदिर भगदड़ से उपजी टीस सालों तक लोगों को सालती रहेगी। उनके पास से गृह मंत्रालय क्या गया, उनका गृह जिला भी मानवीय आपदा का शिकार हो गया। उनका मन जरूर अफसोस करता होगा, यदि अपनी मिट्टी से थोड़ा सा भी प्यार बचा रह गया होगा तो! गौरतलब है कि बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित शीतला माता मंदिर में 31 मार्च 2026 को चैत्र मास के अंतिम मंगलवार को भगदड़ मच गई, जिसमें 8-9 श्रद्धालुओं (ज्यादातर महिलाओं) की मौत हो गई और कई घायल हुए। बताया गया कि यह हादसा भारी भीड़, अपर्याप्त सुरक्षा और प्रबंधन की कमी के कारण हुआ। नीतिगत दृष्टि से यह घटना

राज्य की भीड़ प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल उठाती है। लिहाजा, स्थानीय पुलिस अधीक्षक ने लोकल थाना प्रभारी को कर्तव्य हीनता के आरोप में निलंबित कर दिया है। इस गम्भीर हादसे के कारण के तौर पर मंदिर का छोटा होना, बैरिकेडिंग न होना और पुलिस की अनुपस्थिति से हुई धक्कामुक्की आदि बताया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि महावीर जयंती के संयोग से भीड़ बढ़ गई, लेकिन कोई पूर्व तैयारी नहीं की गई। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की गाइडलाइन का पालन न होने से हादसा हुआ, जो टलने योग्य था। इस हादसे पर प्रशासनिक प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अफसोस जताया और मृतकों के परिजनों को 6 लाख रुपये मुआवजा घोषित किया और अधिकारियों को इसे अविलंब पीड़ितों को प्रदान करने के निर्देश दिए। दीपनगर थानाध्यक्ष को निलंबित किया गया तथा जांच शुरू हुई। क्योंकि विपक्ष ने इसे प्रशासनिक लापरवाही करार दिया। इस हादसे के नीतिगत निहितार्थ निम्नलिखित हैं- पहला, यह घटना धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन नीति (SOP) को मजबूत करने की जरूरत बताती है, जैसे अतिरिक्त पुलिस तैनाती और सीसीटीवी बढ़ाना। दूसरा, बिहार में पूर्व हादसों (जैसे पटना 2012-14) के बावजूद दोहराई जाने वाली चूक से केंद्रीय स्तर पर एकरूप नीति की मांग तेज हो सकती है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

जयसिंह रावत

ईरान-इजरायल युद्ध की आंच चारधाम यात्रा तक

पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता युद्ध अब केवल क्षेत्रीय तनाव का विषय नहीं रह गया है, बल्कि इसके प्रभाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और आम जनजीवन तक स्पष्ट रूप से महसूस किए जा रहे हैं। इस भीषण संघर्ष की आंच सुदूर हिमालय स्थित करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की आस्था के केंद्र,बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री तक पहुंच रही है। आगामी 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया से शुरू हाने जा रही इस वर्ष की चारधाम यात्रा न केवल महंगी होने जा रही है अपितु इस संघर्ष का असर विदेशी श्रद्धालुओं के आगमन पर पड़ने की भी पूरी आशंका है। इस साल की चारधाम यात्रा के लिये गंगोत्री एवं यमुनोत्री के कपाट अक्षय तृतीया पर 19 अप्रैल को ,केदारनाथ के 22 अप्रैल को तथा बदरीनाथ के कपाट 23 अप्रैल को खुल रहे हैं। इसलिये ऋषिकेश में यात्रा का उद्घाटन 14 या. 15 अप्रैल को होने की संभावना है।चारधाम यात्रा उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हर वर्ष लगभग 50 लाख श्रद्धालु देश-विदेश से इन पवित्र धामों के दर्शन के लिए आते हैं लेकिन इस बार परिस्थितियां अलग हैं। युद्ध के चलते वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है, जिसका सीधा असर भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश पर पड़ रहा है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि का असर पहाड़ी क्षेत्रों तक भी कई गुना बढ़कर पहुंचता है। इसलिये चारधाम यात्रा की पूरी लागत संरचना प्रभावित होना स्वाभाविक है। इस संकट का सबसे पहले असर परिवहन पर पड़ता है। इस हिमालयी तीर्थ यात्रा का अधिकांश हिस्सा सड़क मार्ग से तय किया जाता है, जहां टैक्सी, बस और निजी वाहनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ईंधन महंगा होने से इन सेवाओं के किराए बढ़ना स्वाभाविक है। इसके साथ ही, पहाड़ों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति मैदानी क्षेत्रों से होती है। जब परिवहन महंगा होता है, तो खाद्य सामग्री, होटल सेवाएं और अन्य जरूरी सुविधाएं भी महंगी हो जाती हैं जो सीधे श्रद्धालुओं की जेब पर बोझ डालता है। ऋषिकेश से लेकर चारों धामों तक लगभग 1300 किमी लम्बे यात्रा मार्ग हजारों की संख्या में होटल, रेस्तरां और ढाबे स्थाई और

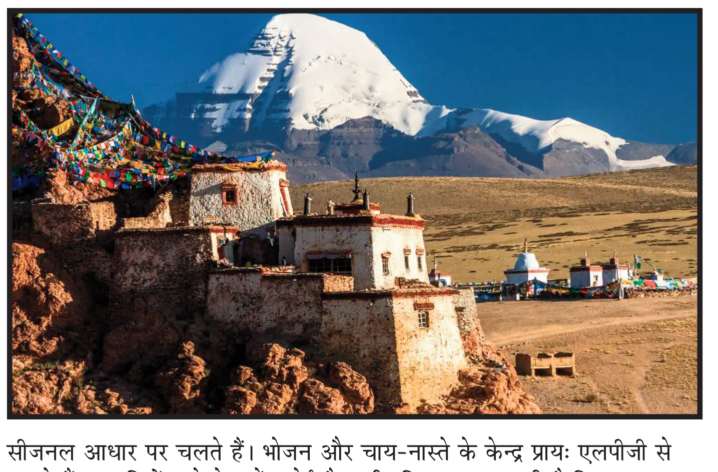

सीजनल आधार पर चलते हैं। भोजन और चाय-नास्ते के केन्द्र प्रायः एलपीजी से चलते हैं। इन दिनों सारे देश में रसोई गैस की किल्लत चल रही है जिसका असर चारधाम यात्रा पर भी पड़ना स्वाभाविक है। इस किल्लत के चलते भोजन आदि की कीमतों में कम से कम 20 प्रतिशत तक उछाल आने की संभावना है, जिसका सीधा असर तीर्थ यात्रियों की जेबों पर पड़ेगा। चारधाम यात्रा में परिवहन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी निभाने वाली ऋषिकेश स्थित टीजीएमओयू ट्रांसपोर्ट कंपनी के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह नेगी के अनुसार अगर युद्ध के हालात नहीं सुधरे और रसोई गैस की स्थिति नहीं सुधरी तो इस साल की चारधाम यात्रा बहुत बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। इस बार चारधाम यात्रा के लिये 3000 हजार बसें तय की गयी हैं जिनकी बुकिंग शुरू हो गयी है। देश के विभिन्न कोनों से बसों की बुकिंग कर आने वाले तीर्थ यात्री अपना कीचन भी साथ लाते हैं और उनको यात्रा के दौरान रसोई गैस उपलब्ध करानी होती है, जो कि इस स्थिति में बहुत कठिन है। नेगी के अनुसार यात्रियों के कुछ दलों ने बसों की बुकिंग केंसिल करा दी है। इसका दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि चारधाम यात्रा केवल श्रद्धा का विषय नहीं, बल्कि एक व्यापक आर्थिक तंत्र है। उत्तराखंड के लाखों परिवारों की आजीविका प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से इस यात्रा से जुड़ी हुई है। होटल व्यवसायी, ढाबा संचालक, टूर ऑपरेटर, गाइड, घोड़ा-खच्चर मालिक, फूल-प्रसाद विक्रेता, सभी की आय का बड़ा हिस्सा इसी यात्रा से आता है। जब यात्रा महंगी होती है, तो स्वाभाविक रूप से यात्रियों की संख्या प्रभावित होती है, विशेषकर मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोग अपनी यात्रा स्थगित या सीमित कर सकते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। युद्ध का एक और प्रभाव अंतरराष्ट्रीय यात्राओं पर भी देखा जा रहा है। खाड़ी देशों और यूरोप से आने वाली उड़ानों के मार्ग में बदलाव और हवाई किराए में वृद्धि के कारण प्रवासी भारतीयों और विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी आने की आशंका है। यह वर्ग आमतौर पर अधिक खर्च करता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उनकी अनुपस्थिति से पर्यटन क्षेत्र की आय में गिरावट आ सकती है। केदारनाथ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर सेवाएं एक महत्वपूर्ण साधन बन चुकी हैं लेकिन एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में वृद्धि के कारण इन सेवाओं के किराए में भी बढ़ोतरी होना तय है। इसके अलावा, यदि युद्ध लंबा चलता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है, जिससे विमानन क्षेत्र में स्पेयर पार्ट्स और तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। उत्तराखंड के सुदूर हिमालयी क्षेत्रों में स्थित ये धाम भले ही भौगोलिक रूप से दूर हों, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव से अछूते नहीं हैं। यह परस्पर जुड़ाव आधुनिक विश्व की एक सच्चाई है, जहां एक क्षेत्र में युद्ध का प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों के जीवन पर पड़ता है। इस स्थिति में स्थानीय स्तर पर भी नवाचार की आवश्यकता है। पर्यटन से जुड़े लोगों को अपनी सेवाओं की गुणवत्ता और विविधता बढ़ानी होगी, ताकि कम संख्या में आने वाले यात्रियों से भी बेहतर आय प्राप्त की जा सके। स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और पारंपरिक भोजन को बढ़ावा देकर अतिरिक्त आय के स्रोत विकसित किए जा सकते हैं। चारधाम यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इसे वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी सुचारु और सुरक्षित बनाए रखना एक सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार, प्रशासन और समाज को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने होंगे, ताकि आस्था की यह यात्रा आर्थिक संकट का शिकार न बने। ईरान- युद्ध की आंच ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आज का विश्व कितना परस्पर जुड़ा हुआ है। ऐसे में आवश्यक है कि हम न केवल तात्कालिक चुनौतियों का सामना करें बल्कि दीर्घकालिक रणनीतियों के माध्यम से अपने महत्वपूर्ण धार्मिक और आर्थिक तंत्रों को मजबूत बनाएं।

डिसेबिलिटी प्रीमियर लीग के मैचों में दिव्यांग खिलाड़ी तो पानी पिला रहे, जो दिव्यांग नहीं वे खेलने उतरे

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड पर गंभीर आरोप

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अपनी प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता 'डिसेबिलिटी प्रीमियर लीग' को लेकर विवादों में घिर गया है। आरोप है कि बोर्ड ने लीग में ऐसे खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति दे दी है, जो तय मानकों के अनुसार दिव्यांग नहीं हैं। इस स्थिति से न केवल असली दिव्यांग क्रिकेटरों का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि उनके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के सपनों पर भी असर पड़ रहा है। इंग्लैंड के पूर्व इंटरनेशनल क्रिकेटरों जय चरण और एलेक्स जर्विस के माता-पिता ने इस मामले को सार्वजनिक किया। उनका आरोप है कि लीग में उनके बेटों की जगह ऐसे खिलाड़ियों ने ले ली है, जो ईसीबी के लर्निंग डिसेबिलिटी (एलडी) यानी 'सीखने की अक्षमता' के मेडिकल मानकों को पूरा ही नहीं करते। एक अभिभावक ने यह भी अनुमान लगाया कि हाल ही में ड्राफ्ट

में चुने गए 64 खिलाड़ियों में से करीब 12 बिना किसी वास्तविक दिव्यांगता के हैं। लीग के नियमों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस श्रेणी में खेलने के लिए किसी खिलाड़ी का आईक्यू 75 या उससे कम होना अनिवार्य है। लेकिन आरोप है कि ईसीबी ने इस सख्त पैमाने को नजरअंदाज किया है और ऐसे कई खिलाड़ियों को शामिल कर लिया है जो मुख्यधारा का पेशेवर क्रिकेट खेलते हैं। उदाहरण के लिए, इंग्लैंड की गेंदबाज एम्स अर्लोट, जिन्हें 2023 में ऑटिज्म और एडीएचडी का डायग्नोसिस मिला था, वे सामान्य क्रिकेट में भी खेलती हैं। ऐसे मामलों से यह साफ संदेश जाता है कि लीग में सही पात्रता की जांच पूरी तरह से नहीं हो रही।

असली खिलाड़ियों का हक छिन रहा

इस गड़बड़ी का सीधा असर उन खिलाड़ियों पर पड़ रहा है, जो लंबे समय से इस लीग में अपना योगदान दे रहे हैं। लीग इतिहास में सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग एवरेज और स्ट्राइक रेट वाले जय चरण और एक दशक से खेल रहे एलेक्स जर्विस को अब केवल 'ड्रिंक्स कैरियर' यानी पानी पिलाने तक सीमित कर दिया गया है। हताश होकर जय चरण ने टूर्नामेंट ही छोड़ दिया। यॉर्कशायर डिसेबिलिटी टीम के मैनेजर ओवेन जर्विस ने कहा, "गलत तरीके से एलडी श्रेणी में रखे गए नए खिलाड़ी ही सारी बैटिंग और बॉलिंग कर रहे हैं। असली खिलाड़ियों को केवल फील्डिंग करने के लिए रखा जा रहा है, जिससे उनका मनोबल टूट रहा है।"

ईसीबी की आधिकारिक प्रतिक्रिया

हालांकि, ईसीबी के प्रवक्ता ने आधिकारिक बयान में कहा कि लीग में केवल 60 जगहें हैं और इसके लिए प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी होती है। बोर्ड ने यह भी माना कि पात्रता नियमों को लेकर बहस जारी है और उन्होंने संकेत दिया कि 2027 के सीजन तक इन पैमानों की समीक्षा की जाएगी। कि "हाई-फंक्शनिंग" (बेहतर क्षमता वाले) खिलाड़ियों के लीग में आने से चुनौतियां बढ़ रही हैं।

"क्रिकेट विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रकार की गड़बड़ियों से असली दिव्यांग खिलाड़ियों के विकास और आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर पड़ता है। उनके अनुसार, अगर पात्रता नियमों को सही तरीके से लागू किया जाए, तो न केवल लीग की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, बल्कि दिव्यांग क्रिकेटरों के लिए भी अंतरराष्ट्रीय मंच खुल सकेगा।"

नियम और वास्तविकता में अंतर

लीग के नियमों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस श्रेणी में खेलने के लिए किसी खिलाड़ी का आईक्यू 75 या उससे कम होना अनिवार्य है। लेकिन आरोप है कि ईसीबी ने इस सख्त पैमाने को नजरअंदाज किया है और ऐसे कई खिलाड़ियों को शामिल कर लिया है जो मुख्यधारा का पेशेवर क्रिकेट खेलते हैं। उदाहरण के लिए, इंग्लैंड की गेंदबाज एम्स अर्लोट, जिन्हें 2023 में ऑटिज्म और एडीएचडी का डायग्नोसिस मिला था, वे सामान्य क्रिकेट में भी खेलती हैं। ऐसे मामलों से यह साफ संदेश जाता है कि लीग में सही पात्रता की जांच पूरी तरह से नहीं हो रही।

न्यूजीलैंड का विमेंस वनडे में सबसे बड़ा रनचेज

भारत का रिकॉर्ड तोड़ा, केर ने 179 रन बनाए, साउथ अफ्रीका को 2 विकेट से हराया

वेलिंग्टन, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा रनचेज कर लिया। टीम ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 विकेट से जीत हासिल की। अमेलिया केर की नाबाद 179 रन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 348 रन का लक्ष्य 49.4 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया और सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। वेलिंग्टन में बुधवार को न्यूजीलैंड ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में इंडियन विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट खोकर 341 रन का टारगेट हासिल किया था। 348 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सूजी बेट्स जल्दी आउट हो

गईं। इसके बाद अमेलिया केर ने पारी संभाली और जॉर्जिया प्लिमर के साथ 52 रन की साझेदारी की। मिडिल ओवर्स में टीम का स्कोर 130/4 हो गया था और मैच साउथ अफ्रीका की पकड़ में दिख रहा था। तभी केर को इसाबेला गेज का साथ मिला, जिन्होंने 48 गेंद में 68 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। दोनों के बीच 120 रन की तेज साझेदारी हुई, जिसने न्यूजीलैंड को मुकाबले में वापस ला दिया। अमेलिया केर ने 139 गेंद में नाबाद 179 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने पहले पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आखिर में केर ने ही चौका लगाकर मैच खत्म किया और टीम को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 346/6 रन बनाए थे। लौरा वोलवार्ट और एनेके बोश ने दूसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंत में क्लो ट्रायन ने 25 गेंद में नाबाद 52 रन बनाकर स्कोर 347 तक पहुंचाया।

फास्ट न्यूज

धुरंधर 2 का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,466.47 करोड़ हुआ

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 का दुनिया भर में कलेक्शन करीब 1,466.47 करोड़ हो गया है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के चौदहवें दिन (बुधवार) फिल्म ने भारत में 20.10 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। बता दें कि फिल्म पहले से ही दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी भारतीय फिल्म बन चुकी है। अब फिल्म के आगे दंगल, बाहुबली 2 और पुष्पा 2 हैं।

सोने में 3,263, चांदी में 13 हजार गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,536 रुपए घटकर 1.46 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले बुधवार को यह 1.51 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी 15,176 रुपए घटकर 2.25 लाख रुपए रह गई, जो 25 मार्च को 2.40 लाख रुपए पर थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 34 दिन में 13,590 और चांदी 42,040 सस्ती हुई है। लोकल ज्वेलर्स एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलर्स एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं। ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

ब्रिटेन की जेलों में चोरी के फोन से ऑर्डर

लंदन। ब्रिटेन की जेलों में ड्रोन के जरिए प्रतिबंधित सामान पहुंचाने का नया संकट बढ़ रहा है। कैदी जेल के अंदर से मोबाइल, ड्रग्स, चार्जर और चाकू जैसे हथियार तक ऑर्डर कर रहे हैं। ड्रोन ये पैकेट सीधे सेल की खिड़की या जेल के मैदान में गिरा रहे हैं। जज ने इसे उबर ईट्स जैसी डिलीवरी बताया है। 29 साल के शफकत उल्लाह मोहसेनी को 140 से ज्यादा अवैध ड्रोन उड़ानें का दोषी पाया गया है।

नहाते वक्त 'जख्म' के लिए हामी भरी, जीता नेशनल अवॉर्ड, 16 फिल्मों ने ₹100 करोड़+ कमाए

57 के हुए अजय देवगन

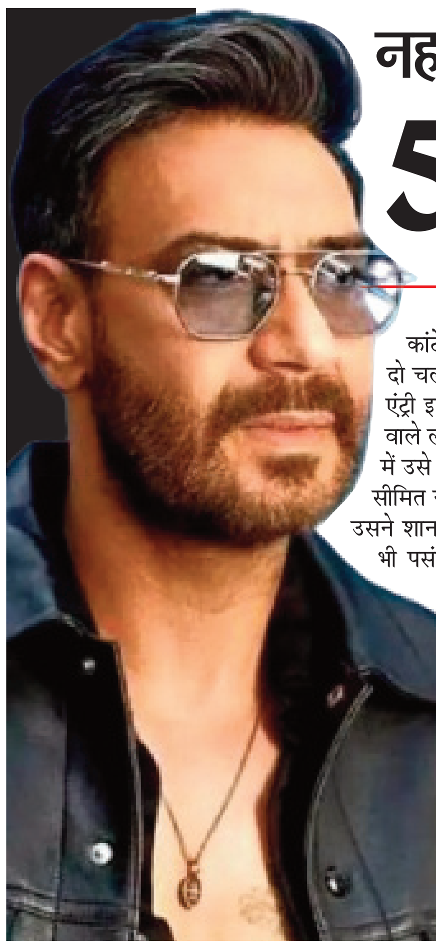

मुंबई, एजेंसी

साल था 1991 का और फिल्म 'फूल और कांटे' थी, जब एक लड़का बड़े पर्दे पर आया। दो चलती बाइकों पर खड़े होकर की गई उसकी एंट्री इतनी आइकॉनिक थी कि यह फिल्म देखने वाले लोग आज भी यह सीन नहीं भूल पाए हैं। शुरुआत में उसे एक्शन हीरो माना गया लेकिन उसने खुद को सीमित नहीं रखा। 'जख्म' और 'कंपनी' जैसी फिल्मों में उसने शानदार एक्टिंग की, जिसे लोगों के साथ क्रिटिक्स ने भी पसंद किया। फिर 'गोलमाल' और 'ऑल द बेस्ट' जैसी फिल्मों में लोगों को हंसाया और 'सिंघम' बनकर मास हीरो भी बना। उसने 35 साल के करियर में 16 से ज्यादा 100 करोड़ की कमाई वाली फिल्में दीं और कई नेशनल अवॉर्ड भी जीते। आज वही अजय देवगन 57 साल के हो चुके हैं। उनके जन्मदिन पर जानिए उनकी जिंदगी के दिलचस्प किस्से- कॉलेज के दिनों में भी वे पढ़ाई के साथ फिल्ममेकिंग सीखते रहे।

किस्सा 1: पिता की बंदूक चुपके से निकालकर ले गए

अजय देवगन का जन्म 2 अप्रैल 1969 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम विशाल वीरू देवगन है। वे फिल्मी परिवार से आते हैं। उनके पिता वीरू देवगन हिंदी फिल्मों के मशहूर स्टंट और एक्शन डायरेक्टर थे, जबकि मां वीना फिल्म प्रोड्यूसर थीं। इसी वजह से अजय का बचपन से फिल्मों से कनेक्शन रहा। अजय बचपन में ही अपने पिता के साथ फिल्म एडिटिंग में हाथ बंटाने लगे थे। 8-9 साल की उम्र में उन्हें कैमरा और शूटिंग की समझ आने लगी थी। 12-13 साल की उम्र तक उन्होंने छोटे-छोटे फिल्म प्रोजेक्ट बनाना शुरू कर दिया था।

किस्सा 2: फिल्मों में आने के लिए बदला नाम

अजय देवगन का असली नाम विशाल देवगन है, लेकिन फिल्मों में आने से पहले उन्होंने नाम बदल लिया। इसके पीछे की वजह यह थी कि जब अजय फिल्मों में डेब्यू करने वाले थे, उस समय कई नए एक्टर्स विशाल नाम से लॉन्च हो रहे थे। इनमें से एक मनोज कुमार का बेटा (विशाल गोस्वामी) भी थे। इससे इंडस्ट्री में कन्फ्यूजन पैदा हो रहा था। इसी वजह से उनका नाम विशाल से अजय कर दिया गया।

अजय ने 'आप की अदालत' में बताया था कि फिल्म के प्रीमियर पर अनिल कपूर उनसे मिलने आए थे। उन्होंने अजय को सलाह दी थी कि इतनी बड़ी फिल्म के सामने अपनी डेब्यू फिल्म रिलीज करना सही फैसला नहीं है। उन्होंने कहा था कि नई कास्ट, नया डायरेक्टर और नया प्रोड्यूसर होने की वजह से यह जोखिम भरा हो सकता है। अजय के मुताबिक, अनिल ने यह सलाह नेक इरादे से दी थी। वे बचपन से उन्हें जानते थे और उनकी मदद करना चाहते थे, लेकिन जब फिल्में रिलीज हुईं, तो नतीजा उल्टा निकला। लम्हे फ्लॉप हुई, जबकि फूल और कांटे सुपरहिट हुई।

फिल्म 'रामायण' से सामने आया रणबीर कपूर का लुक

फिल्म 'रामायण' से रणबीर कपूर का भगवान राम के रूप में लुक सामने आ गया है। इसकी झलक आज यानी हनुमान जयंती पर जारी की गई। भगवान राम के रूप में रणबीर का लुक सादगी, गरिमा और आध्यात्मिकता से भरा हुआ है। शाही वेशभूषा और बारीक आभूषणों के साथ उनका शांत और संतुलित रूप काफी अच्छा नजर आ रहा है। श्रीराम की पहली झलक प्रजा के बीच दिखाई गई। वीडियो में शानदार वीएफएक्स देखने को मिले हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक भी शानदार है। भगवान राम का रोल निभाने के बारे में बात करते हुए रणबीर ने कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यहां राम का रोल करने आया हूं। मैं यहां उनसे सीखने आया हूं। उनमें एक सादगी और पवित्रता है जो बहुत कम देखने को मिलती है और उसे समझने और अपनाने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत ही विनम्र करने वाला अनुभव रहा है। फिल्म को दो भाग में रिलीज किया जाएगा। पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

1972 के बाद पहली बार चांद के करीब पहुंचेंगे इंसान

10 दिन में चंद्रमा का चक्कर काटकर लौटेंगे 4 अंतरिक्ष यात्री

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने आज 2 अप्रैल को 'आर्टेमिस-2' मिशन लॉन्च किया। सुबह 4:05 बजे 'स्पेस लॉन्च सिस्टम' (SLS) ओरियन स्पेसक्राफ्ट में 4 अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर चांद की ओर रवाना हुआ। फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से ये लॉन्चिंग हुई। साल 1972 में 'अपोलो-17' के बाद यह पहला मौका है जब कोई इंसान पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) को पार कर चांद के करीब पहुंचेगा। चारों यात्री स्पेसक्राफ्ट से चांद के चारों ओर चक्कर लगाएंगे और फिर धरती पर लौटेंगे। यह मिशन 10 दिन का है। टेक-ऑफ से ठीक एक घंटा पहले 'लॉन्च अबॉर्ट सिस्टम' में कुछ ऐसी दिक्कतें आई, जिनसे लॉन्चिंग पर

खतरा मंडराने लगा था। यह रॉकेट का वो 'इमरजेंसी एग्जिट' है, जो खराबी होने पर एस्ट्रोनॉट्स वाले हिस्से को तुरंत रॉकेट से अलग कर देता है। हालांकि इंजीनियरों ने इस समस्या को तेजी से सुलझा लिया। फिर सेफ्टी चेक के लिए काउंटडाउन घड़ी को 10 मिनट पर रोक दिया गया। इसके बाद रॉकेट के अलग-अलग जरूरी सिस्टम्स की जिम्मेदारी संभाल रहे इंजीनियरों की 'ओके' रिपोर्ट आई। फिर क्रू को संदेश मिला- रआर्टेमिस II, मैं लॉन्च डायरेक्टर बोल रहा हूं, आप उड़ान के लिए तैयार हैं।र कमांडर रीड वाइजमैन ने जवाब दिया, रहम पूरी मानवता की खातिर जा रहे हैं।र इसके तुरंत बाद चार RS-25 इंजन और दो रॉकेट बूस्टर चालू हुए और एस्ट्रोनॉट रवाना हो गए। मिशन का मकसद स्पेसक्राफ्ट के 'लाइफ सपोर्ट सिस्टम' की जांच करना है। नासा देखना चाहता है कि अंतरिक्ष में इंसानों के रहने के लिए यह कितना सुरक्षित है। यान अभी चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरेगा, लेकिन भविष्य में चंद्रमा पर इंसानों के बसने का रास्ता आसान बनाएगा।

अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग, जानिए कैसी होगी कहानी

'क्वीन 2' में कंगना रनौट नजर आएंगी

मुंबई, एजेंसी

कंगना रनौट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। मिड डे की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी। कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी। 'क्वीन' के फैंस को इस नए सफर से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म की कहानी में रानी की नई चुनौती और आत्मनिर्भरता की यात्रा दर्शकों को प्रेरित करेगी। साथ ही, शहर के परिवेश और अलग-अलग लोकेशन्स में शूटिंग की वजह से फिल्म को विजुअली भी बेहद आकर्षक बनाने की तैयारी की जा रही है।

फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

घोटाला: खाने में बेकिंग सोडा मिलाकर बीमार करते थे, फिर हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू कराकर मोटा पैसा बनाते थे

नेपाल में एवरेस्ट घोटाले का भंडाफोड़

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में माउंट एवरेस्ट से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ शेरपा और ट्रेकिंग से जुड़े लोग मिलकर खाने में बेकिंग सोडा या एक खास दवा मिलाकर पर्यटकों को बीमार बनाकर महंगे हेलिकॉप्टर रेस्क्यू के जरिए करोड़ों का बीमा घोटाला कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल पुलिस ने इस मामले में 32 लोगों पर केस दर्ज किया है। इनमें ट्रेकिंग कंपनी के मालिक, हेलिकॉप्टर ऑपरेटर और अस्पताल से जुड़े लोग शामिल हैं। इन पर संगठित अपराध और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। नेपाल के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू करना कई बार लोगों की जान बचाने का जरूरी तरीका होता है। वहां ऑक्सीजन कम होती है और मौसम अचानक खराब हो सकता है, इसलिए बीमार या फंसे ट्रेकर को जल्दी काठमांडू

पहुंचाना जरूरी होता है। लेकिन इसी सिस्टम का गलत फायदा भी उठाया जा रहा है। जल्दबाजी, साफ जानकारी की कमी और सही निगरानी न होने के कारण यहां एक बड़ा बीमा घोटाला भी चल रहा है। जांच में सामने आया कि कुछ शेरपा, ट्रेकिंग एजेंसियों के साथ मिलकर पर्यटकों के खाने में बेकिंग सोडा मिला देते हैं। इससे पर्यटकों को तेज पेट दर्द, उल्टी और अन्य दिक्कतें होती थीं, जो ऊंचाई पर होने वाली बीमारी (एल्टीट्यूड सिकनेस) जैसी लगती हैं। जब पर्यटक बीमार पड़ जाते हैं, तो उन्हें महंगे हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू कराने के लिए दबाव बनाया जाता है।

बीमा कंपनियों के लिए सच का पता लगाना मुश्किल

रिपोर्ट के मुताबिक रेस्क्यू के दौरान एक ही हेलिकॉप्टर में कई लोगों को बैठाया जाता है, लेकिन हर व्यक्ति के नाम से अलग-अलग पूरा बिल बीमा कंपनी को भेजा जाता है, जैसे हर किसी के लिए अलग उड़ान हुई हो। जैसे 4000 डॉलर की उड़ान को 12000 डॉलर का क्लेम बना दिया जाता है। इसके लिए फर्जी फ्लाइट रिकॉर्ड बनाए जाते हैं। अस्पताल में भी नकली कागज तैयार होते हैं। सीनियर डॉक्टर के डिजिटल सिग्नेचर का इस्तेमाल करके रिपोर्ट बनाई जाती है, जबकि वे डॉक्टर उस केस में शामिल ही नहीं होते। कई बार तो डॉक्टरों को खुद पता नहीं होता कि उनके नाम से कागज बनाए गए हैं।

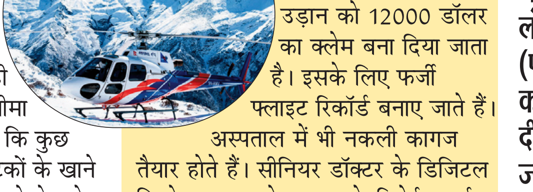

इस पूरे खेल में शेरपा, हेलिकॉप्टर कंपनियां, ट्रेकिंग एजेंसियां और अस्पताल मिलकर पैसा बांट लेते थे। जांच जनवरी में शुरू हुई थी, जब तीन बड़ी रेस्क्यू कंपनियों के 6 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। कुछ मामलों में लोगों को डायमॉक्स (एक दवा जो ऊंचाई की बीमारी के लिए दी जाती है) के साथ ज्यादा पानी पिलाकर ऐसे लक्षण पैदा किए गए, जिससे उनकी हालत गंभीर है।

सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 1600 अंक चढ़ा

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 2 अप्रैल को 1600 अंक की रिकवरी आई है। सेंसेक्स ने सेंसेक्स अभी 73,100 पर फ्लैट कारोबार कर रहा है। इससे पहले आज इसने 71,545 का लो बनाया था। वहीं निफ्टी भी 22,670 पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले इसने भी 22,182 लो बनाया था। आज बैंकिंग, मेटल और फार्मा शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। वहीं IT शेयर्स चढ़े हुए हैं। आज कच्चा तेल करीब 5% ऊपर है। ये 106 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। 28 फरवरी को ईरान जंग शुरू होने से पहले कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास थे। इससे पहले कल यानी 1 अप्रैल को बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स 1,187 अंक (1.65%) की तेजी के साथ 73,134 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 348 अंक (1.56%) की बढ़त रही, ये 22,679 के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जोन्स 224 अंक (0.48%) बढ़कर 46,565 के स्तर पर बंद हुआ। टेक बेस्ड इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 1.16% बढ़कर 21,840 पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स 46 अंक (0.72%) बढ़कर 6,575 पर बंद हुआ।

इस्लामिक गार्ड के हाथ में पूरा कंट्रोल

रिपोर्ट- राष्ट्रपति को सुप्रीम लीडर मुजतबा से मिलने से रोका

तेहरान, एजेंसी

ईरान में सरकार और धार्मिक सेना (IRGC) के बीच टकराव बढ़ने की खबर है। तेहरान टाइम्स रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ताकतवर सेना जैसी संस्था इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) और राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के बीच सत्ता को लेकर खींचतान चल रही है। अखबार के मुताबिक IRGC ने देश का कंट्रोल अब अपने हाथ में ले लिया है। दावा यह भी है कि राष्ट्रपति पजशकियान की मुलाकात सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई से नहीं हो पा रही है। दरअसल इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को लेकर एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत जारी है। ट्रम्प के मुताबिक, उनकी टीम कुछ 'समझदार' ईरानी नेताओं के संपर्क में है और बातचीत के जरिए हालात को शांत करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को तुरंत खारिज कर

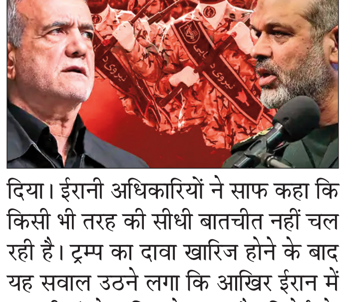

दिया। ईरानी अधिकारियों ने साफ कहा कि किसी भी तरह की सीधी बातचीत नहीं चल रही है। ट्रम्प का दावा खारिज होने के बाद यह सवाल उठने लगा कि आखिर ईरान में असली कंट्रोल किसके पास है। रिपोर्ट के मुताबिक पजशकियान कोई बड़ा फैसला नहीं ले पा रहे हैं। IRGC जिसका काम अमेरिका के हमलों का जवाब देना था, अब सरकार की अहम फैसले भी ले रहा है। अखबार ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि पजशकियान ने 26 मार्च को नया खुफिया मंत्री नियुक्त करने की कोशिश की थी। वे हुसैन देहगान को यह पद देना चाहते थे, लेकिन IRGC चीफ अहमद वहीदी ने इसे रोक दिया। वहीदी ने यह पद तब संभाला था, जब युद्ध की शुरुआत में पिछले कमांडर मोहम्मद पाकपुर मारे गए थे। वहीदी का कहना है कि युद्ध की स्थिति में सभी अहम और संवेदनशील पदों पर नियुक्ति IRGC ही करेगा और वही उन्हें संभालेगा। आमतौर पर ईरान की व्यवस्था में राष्ट्रपति खुफिया मंत्री का नाम तभी तय करते हैं, जब सुप्रीम लीडर की मंजूरी मिल जाती है, क्योंकि सुरक्षा से जुड़े मामलों में अंतिम अधिकार उन्हीं के पास होता है। कुछ लोगों का कहना है कि मुजतबा की मौत हो चुकी है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वे शायद कोमा में हैं। ट्रम्प ने भी इशारा किया है कि उनकी हालत गंभीर हो सकती है, जबकि अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि उनका चेहरा बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अब होर्मुज जैसे अहम तेल मार्ग का नियंत्रण भी IRGC के पास है, जिसे ईरान ने प्रभावी रूप से बंद कर रखा है। मुजतबा खामेनेई कहां हैं, यह भी साफ नहीं है। इसी वजह से IRGC ने अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है।

युवती ने कूदकर बचाई जान, मासूम सहित 5 को फायर ब्रिगेड ने निकाला
ज्वेलर्स के 3 मंजिला मकान में लगी आग

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में ज्वेलर के 3 मंजिला मकान में आग लग गई। घर में परिवार के 6 लोग सो रहे थे। जैसे ही आग किचन से कमरों की ओर फैली, घर के लोग जाग गए। इस दौरान 22 साल लड़की दूसरी मंजिल से कूद गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने एक मासूम बच्ची सहित परिवार के 5 लोगों को सीढ़ियों से उतारा। इस दौरान मकान धू-धूकर जलता रहा। दुर्घटना गुरुवार तड़के करीब 3:30 बजे सरोजनीनगर में दरोगा खेड़ा स्थित पार्थ रिपब्लिक अपार्टमेंट के पास हुई। यहां ज्वेलर अजय रस्तोगी (49) अपने परिवार के साथ मकान की दूसरी मंजिल पर सो रहे थे। परिवार में उनकी पत्नी अनीता वर्मा (47), बेटा विनायक (16), विवाहित बेटी शीतल वर्मा (30), छह वर्षीय पोती विरानिका और घर में काम करने वाली तन्नू (22) हैं।

ज्वेलर अजय रस्तोगी ने बताया कि मकान की तीसरी मंजिल पर किचन है। वहीं, शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हमें तो पता भी नहीं चला। पड़ोसियों ने शोर मचाया तब हम लोगों की नींद खुली। मैंने CCTV से देखा तो सच में तीसरी मंजिल में आग लगी हुई थी। बेटी तन्नू आग देखते ही दूसरी मंजिल से कूद गई। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सरोजनीनगर फायर स्टेशन से दो और आलमबाग से एक दमकल गाड़ी कुछ ही देर में आ गईं। दमकल कर्मचारियों ने सीढ़ी लगाकर हम पांच लोगों को नीचे उतारा। हमारा पालतू डॉगी भी हमारे साथ फंस चुका था। फायर ब्रिगेड ने उसे भी बाहर निकाल लिया।

किचन से भड़की थी आग, सीसीटीवी में दिखा मंजर

ज्वेलर अजय रस्तोगी ने बताया कि मकान की तीसरी मंजिल पर किचन है। वहीं, शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हमें तो पता भी नहीं चला। पड़ोसियों ने शोर मचाया तब हम लोगों की नींद खुली। मैंने CCTV से देखा तो सच में तीसरी मंजिल में आग लगी हुई थी। बेटी तन्नू आग देखते ही दूसरी मंजिल से कूद गई। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सरोजनीनगर फायर स्टेशन से दो और आलमबाग से एक दमकल गाड़ी कुछ ही देर में आ गईं। दमकल कर्मचारियों ने सीढ़ी लगाकर हम पांच लोगों को नीचे उतारा। हमारा पालतू डॉगी भी हमारे साथ फंस चुका था। फायर ब्रिगेड ने उसे भी बाहर निकाल लिया।

कूदने से बेटी के पैरों में चोट आई, अस्पताल में भर्ती

घटना के दौरान घबराकर बेटी तन्नू दूसरी मंजिल से कूद गई, जिससे वह घायल हो गई। उसे तुरंत सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। इस दुर्घटना में मेरे परिवार के सभी लोग सुरक्षित हैं। घर का काफी सामान जल गया है। दमकल विभाग की तत्परता से हम सुरक्षित रहे। मैं पुलिस को सूचना दी। यहां फायर ब्रिगेड, पुलिस ने जितना काम किया, उससे ही हम लोग बच पाए।

"टिनशेड चटचट बोल रही थी। मैंने जैसे ही दरवाजा खोला तो आग का एक गोला तेजी से बाहर आया। यह देखते ही मैं पीछे की ओर हो गया। इस पूरे अग्निकांड में हमारा करीब पौने दो करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। लिफ्ट पूरी जल गई। करीब 7 एसी लगे हुए थे, वे सब भी जल गए। राहत की बात है कि फायर ब्रिगेड ने हम लोगों को कुछ नहीं होने दिया। हमारा पालतू डॉगी भी हमारे साथ फंस चुका था। फायर ब्रिगेड ने उसे भी बाहर निकाल लिया।

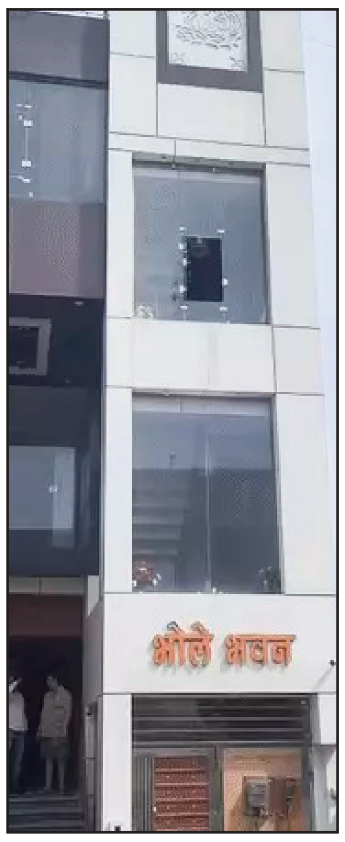

तड़के 4 बजे मस्जिद को बुलडोजर से ढहाया

हाईकोर्ट के आदेश पर एक्शन, लोग बोले- 60 साल पहले बनी थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में गुरुवार तड़के 4 बजे मस्जिद को बुलडोजर से ढहा दिया गया। एडीएम और एसडीएम प्रशासन की टीम और 3 बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचे। एक घंटे के अंदर मस्जिद को जमींदोज कर दिया गया। इसके बाद मलबा हटाया गया। इस दौरान पीएसी की 2 टुकड़ियों समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के आदेश पर प्रशासन ने यह कार्रवाई की। मस्जिद बक्शी का तालाब (बीकेटी) के अस्ती गांव में बनी थी। स्थानीय लोगों का दावा है कि मस्जिद 60 साल पहले बनी थी। प्रशासन का कहना है कि मस्जिद सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाई गई थी। इस मामले की शुरुआत 2024 में हुई थी। सबसे पहले तहसीलदार कोर्ट में प्रशासन ने याचिका लगाई थी।

तहसीलदार कोर्ट ने 2025 में मस्जिद हटाने और 36 हजार रुपए जुर्माने का आदेश दिया था। तहसीलदार कोर्ट के आदेश के खिलाफ मस्जिद पक्ष एडीएम कोर्ट पहुंच गया। वहां से भी मामला खारिज हो गया। इसके बाद मुस्जिद पक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। 6 दिन पहले यानी 26 मार्च को हाईकोर्ट ने मस्जिद को हटाने का आदेश दिया था। एक मस्जिद थी, जिसे अवैध तरीके से बनाया गया था। स्थानीय निवासी मो. साहिबाद पुत्र जन्नू और लाल मोहम्मद पुत्र सरदार ने नोटिस को चुनौती दी थी।

फास्ट न्यूज

5 करोड़ की रंगदारी मांगने वाला शूटर एनकाउंटर में ढेर

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस ने बुधवार रात कारोबारी से 5 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले बदमाश को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। आशु उर्फ मोंटी (40) उधम सिंह गैंग का शार्प शूटर था। उसपर हत्या-लूट समेत 33 मुकदमे दर्ज थे। सिविल लाइंस इलाके में पोस्टमॉर्टम हाउस के पास एनकाउंटर हुआ। आशु रंगदारी के मामले में फरार चल रहा था।

देवर के दोस्त ने गला रेतकर भाभी की हत्या की

गोरखपुर। गोरखपुर में देवर के दोस्त ने बुधवार शाम 5 बजे भाभी की हत्या कर दी। वह अपने घर की छत पर टहल रही थी। बाहर लगी सीढ़ी के रास्ते आरोपी छत पर चढ़ा और चाकू से गला रेत दिया। वारदात को पड़ोसियों ने देखा तो चिल्लाने लगे। शोर सुनकर आरोपी भाग गया। चीख-पुकार सुनकर देवर छत पर पहुंचा। आनन-फानन में भाभी को हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुस्साए परिजनों ने शव को हॉस्पिटल के बाहर रखकर हंगामा कर दिया। आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी का मांग करने लगे। उनका कहना था कि जान के बदले जान चाहिए। जब तक आरोपी का एनकाउंटर नहीं होगा, शव नहीं उठाने देंगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने उचित कार्रवाई का लिखित आश्वासन दिया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने ससुर की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दुकान गई मासूम से रेप की कोशिश

प्रयागराज। प्रयागराज में दुकान पर बिस्किट लेने गई आठ साल की मासूम से रेप की कोशिश की गई। आरोप है कि दुकानदार ने उसे दुकान के भीतर खींचकर गलत काम करने का प्रयास किया। बच्ची के चीखने पर आसपास के लोग जुट गए और फिर उसे जमकर पीटा। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी को मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी प्रभुनारायण सिंह फौज से रिटायर होने के बाद धूमनगंज में रहता है।

ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा की सख्ती

महरौर उपकेंद्र के अवर अभियंता धर्मेंद्र पाल निलंबित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा कल बलिया जाते समय विद्युत वितरण मंडल गाजीपुर के अंतर्गत विद्युत वितरण खंड जंगीपुर के क्षेत्र में महरौर से रसड़ा मार्ग पर निरीक्षण के दौरान 11 केवी विद्युत लाइन मानक से अधिक नीचे पाई गई। इस गंभीर लापरवाही को संज्ञान में लेते हुए उनके द्वारा तत्काल संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में अवर अभियंता विद्युत उपकेंद्र महरौर श्री धर्मेंद्र पाल को विभागीय उत्तरदायित्व के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने के कारण प्रथम दृष्टया दोषी पाते हुए देर रात निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड जंगीपुर, गाजीपुर श्री प्रवीण कुमार तिवारी को भी आरोप पत्र निर्गत किया गया है। मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि विद्युत व्यवस्था में किसी

भी प्रकार की लापरवाही, विशेषकर सुरक्षा मानकों से जुड़ी अनदेखी, किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विद्युत लाइनों का मानकों के अनुरूप रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, जिससे आम जनता की सुरक्षा के साथ-साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनी रहे।

सीएम हेल्पलाइन के कर्मचारियों को पुलिस ने घसीटा

मुख्यमंत्री दफ्तर की तरफ रोते हुए भागे, बोले- शोषण किया जा रहा

- संगीत नाटक अकैडमी के सामने पुलिस ने पुरुष कर्मचारियों को घसीटना शुरू किया।
- पुलिस के रोकने के दौरान एक गर्भवती महिला कर्मचारी के पेट में चोट लग गई। वह रोने लगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सीएम हेल्पलाइन के करीब 200 कर्मचारियों ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। गोमतीनगर स्थित सीएम हेल्पलाइन के कार्यालय के बाहर सुबह 9:30 बजे कर्मचारी इकट्ठा हुए। इसके बाद नारे लगाते हुए लोहिया पथ होते हुए मुख्यमंत्री दफ्तर की ओर भागने लगे। साइबर टावर से लोहिया पार्क तक पहुंचने में पुलिस ने उन्हें 4 बार रोकने की कोशिश की लेकिन रोक नहीं पाई। धीरे-धीरे पुलिस बल बढ़ता गया और संगीत नाटक अकैडमी के

सामने बैरिकेडिंग कर दी गई। यहां भी जब कर्मचारी नहीं रुके तो पुलिस वालों ने कर्मचारियों को बलपूर्वक घसीटकर सड़क किनारे करना शुरू कर दिया।

एक कर्मचारी ने रोते हुए कहा कि हेल्पलाइन ऑफिस में फोन जमा करा लिया जाता है। सैलरी 15 रुपए हर महीने के लिए कही गई थी और केवल 7000-8000 रुपए दिए जा रहे हैं। दो महीने की सैलरी भी रोककर दी जा रही है। प्रदर्शन की वजह से लोहिया पथ पर जाम लग गया है। समतामूलक के आसपास का इलाका जाम है। समतामूलक के पास सीएम हेल्पलाइन के कर्मचारियों, कंपनी मैनेजमेंट के बीच बातचीत चल रही है। इस दौरान पुलिस भी मौजूद है।

महिला कर्मचारियों को पकड़ने की कोशिश कर रही पुलिस

सीएम हेल्पलाइन की कुछ महिला कर्मचारियों को पुलिस पकड़ने की कोशिश कर रही है। वे खुद को पुलिस छुड़ा ले रही हैं। समतामूलक के पास पुलिस, सीएम हेल्पलाइन कर्मचारियों और कंपनी के अधिकारियों के बीच बातचीत चल रही है। इस दौरान कई कर्मचारी पीएसी की बस में बैठे हुए हैं। अधिकारियों से बातचीत के दौरान कर्मचारियों ने पुलिसवालों को अपनी सैलरी क्रेडिट का ईमेल दिखाया। वे अपनी सैलरी को लेकर बहस कर रहे हैं। सीएम हेल्पलाइन चलाने वाली कंपनी We win limited मैनेजमेंट के अधिकारी हेल्पलाइन के कर्मचारियों से बात करने पहुंच चुके हैं। कई कर्मचारी पीएसी की गाड़ी में बैठे अपने कलीग्स को छुड़ाने की कोशिश में बस पीट रही हैं।

प्रदर्शन कर रहे सीएम हेल्पलाइन के कर्मचारियों को लोहिया पार्क के आगे बैरिकेडिंग कर रोकने की कोशिश हुई।

5 कर्मचारियों को मुख्यमंत्री से मिलाने ले जाया जा रहा है

करीब 1 घंटे की बातचीत के बाद पुलिस और कंपनी के अधिकारियों ने सीएम हेल्पलाइन के कर्मचारियों को मना लिया। 5 कर्मचारियों को मुख्यमंत्री से मिलाने ले जाया जा रहा है। वहीं, अन्य सभी कर्मचारियों को उनके कार्यस्थल सीएम हेल्पलाइन के कार्यालय गोमतीनगर के साइबर टॉवर भेज दिया गया है।

"दो महीने की सैलरी भी रोककर दी जा रही है। प्रदर्शन की वजह से लोहिया पथ पर जाम लग गया है। समतामूलक के आसपास का इलाका जाम है। समतामूलक के पास सीएम हेल्पलाइन के कर्मचारियों, कंपनी मैनेजमेंट के बीच बातचीत चल रही है।

गौतम अडाणी ने परिवार के साथ रामलला के दर्शन किए

30 मिनट मंदिर में रहे, बोले- यह भावुक क्षण, गुरुकुल के छात्रों से मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। देश के जाने-माने उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने गुरुवार को परिवार के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद आरती की। पुजारी से तिलक लगवाया। प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर का भ्रमण कर राम मंदिर निर्माण के बारे में जानकारी ली। गौतम अडाणी गुरुवार सुबह 8.30 बजे पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अयोध्या पहुंचे। अहमदाबाद से 2 चार्टर्ड फ्लाइट्स से अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड हुए। एयरपोर्ट से सीधे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। यहां उनका अंग वस्त्र भेंटकर स्वागत किया। गौतम अडाणी ने अयोध्या के गुरुकुल महाविद्यालय में छात्रों से

मुलाकात की। उन्हें सम्मानित किया। गुरुकुल की पुरानी और आधुनिक परंपरा के बारे जाना। उन्होंने कहा कि मैंने बच्चों के साथ समय बिताया। गुरुकुल आज के युग में हमारी संस्कृति को जागृत रखने का काम कर रहा है। अडाणी फाउंडेशन AI के इस दौर में इस गुरुकुल संस्कृति को संरक्षित करने में हर संभव सहयोग देगा। इसके बाद, गौतम अडाणी लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

"30 मिनट तक मंदिर में रहने के बाद बाहर आकर गौतम अडाणी ने कहा- मुझे और मेरे परिवार को अयोध्या में भगवान राम के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। यह एक भावुक पल है, एक गर्व का पल है। यह मंदिर न सिर्फ आस्था का केंद्र है, बल्कि भारत की संस्कृति, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। भगवान राम के आदर्श हमें सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान राम का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे और हमारा देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

रवाना : अब आरएमएलएच में इलाज होगा, 4 आरोपियों की तलाश में मेरठ पहुंची पुलिस

किडनी डोनर आयुष और रिसीवर पारुल लखनऊ रेफर

- मुजफ्फरनगर की रहने वाली किडनी रिसीवर पारुल तोमर की हालत में सुधार हो रहा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में किडनी रिसीवर पारुल तोमर और डोनर आयुष चौधरी को आज सुबह लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। करीब 10:30 बजे हैलट हॉस्पिटल की 2 डॉक्टरों की टीम दोनों को लेकर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल (RMLH) के लिए रवाना हुई। लखनऊ में दोनों का इलाज अब RMLH के नेफ्रोलॉजी विभाग में किया जाएगा। किड़नी ट्रांसप्लांट स्कैंडल में कुल 10 लोग शामिल पाए गए हैं। इनमें से 5 डॉक्टर और 1 दलाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। अभी डॉ. अफजल, डॉ. वैभव, डॉ. अनुराग और डॉ. रोहित फरार हैं। पुलिस की टीम इनकी तलाश में मेरठ पहुंची है। इसी बीच क्राइम ब्रांच ने दोपहर करीब 1 बजे डॉक्टर रोहित की

टीम से दो ओटी टेक्नीशियन को गिरफ्तार किया है। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस के मुताबिक, डॉ. अफजल मेरठ में अल्फा अस्पताल के संचालक हैं। वहीं डॉ. वैभव और डॉ. अनुराग उर्फ अमित भी मेरठ के ही रहने वाले हैं। डॉ. रोहित का पता लगाने के लिए दलाल शिवम काड़ा की कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही हैं। साथ ही कहीं ये फरार आरोपी देश छोड़कर भाग न सकें, उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी कर दिया गया है। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला ने बताया- हमने बुधवार को दोनों मरीजों के बेहतर इलाज के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (KGMC), संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट (SGPGI) और राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल (RMLH) में भर्ती के लिए पत्र लिखा था।

अहूजा और प्रिया हॉस्पिटल का लाइसेंस रद्द

स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए गुरुवार को अहूजा हॉस्पिटल और प्रिया हॉस्पिटल का लाइसेंस रद्द कर दिया है। इन अस्पतालों को तीन दिन के अंदर अपना सारा सामान हटाना होगा। इससे एक दिन पहले ही मेड लाइफ हॉस्पिटल को सील किया जा चुका था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, कानपुर के कई बड़े अस्पतालों को पुलिस ने भी नोटिस भेजा है।

पहले भी विवादों में रहा अल्फा अस्पताल

अल्फा अस्पताल पहले भी गंभीर आरोपों में घिर रहा है। नवंबर 2025 में इलाज में लापरवाही की शिकायत के बाद सीएमओ ने अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया था। हालांकि बाद में बहाल कर दिया गया था। मेडिकल थाना क्षेत्र में स्थित अल्फा हॉस्पिटल लगभग दो साल पहले स्थापित हुआ था। इसके डायरेक्टर डॉक्टर अमित कुमार हैं। अस्पताल के आसपास कुछ अन्य बड़े अस्पताल भी मौजूद हैं। तीन मंजिला भवन में ग्राउंड फ्लोर पर डायरेक्टर का ऑफिस, ओपीडी के लिए दो कमरे, मेडिकल स्टोर, रिसेप्शन और एक छोटा मंदिर है। फर्स्ट फ्लोर पर एक हॉल है, जिसमें NICU और 7 बेड का ICU स्थित है। सेकंड फ्लोर पर कुल 9 कमरे हैं, जिनमें कुछ में अभी भी मरीज भर्ती हैं। थर्ड फ्लोर पर एक हॉल है, जहां तीमारदार बैठते हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

15 दिन बंगाल में...

पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा- मेरे लिए आप ही मोदी हैं, केरल का हर कार्यकर्ता मोदी है।" उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के युवा अब विकास, उद्योग, स्टार्टअप और रोजगार के लिए भाजपा की ओर उम्मीद से देख रहे हैं। साथ ही उन्होंने विपक्ष पर समाज में विभाजन और भ्रष्टाचार फैलाने का आरोप भी लगाया। असम चुनाव पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि असम की जनता एक बार फिर भाजपा को भारी जनादेश देगी। इसकी वजह यह है कि 2014 के बाद से आज हालात कितने बदल गए हैं। मोदी जी के पीएम पद की शपथ लेने के बाद यह तय किया गया था कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आज हम अच्छी सड़कें, ब्रह्मपुत्र नदी पर 11-12 पुल, हवाई अड्डे, जलमार्ग और रेलमार्ग देख सकते हैं। क्योंकि लोग देख रहे हैं कि उनकी आकांक्षाएं पूरी हो रही हैं, इसलिए विकास के प्रति सकारात्मकता और समर्थन का माहौल है। इसीलिए असम की जनता हमें चुनने के लिए सकारात्मक रूप से मतदान करेगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज...

बहरीन प्रस्ताव पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, यह खास प्रस्ताव UN सुरक्षा परिषद में विचाराधीन है। हमें यह भी पता है कि संबंधित पक्ष यानी सुरक्षा परिषद के सदस्य - अभी इस खास मसौदे पर बातचीत कर रहे हैं। जहां तक भारत की बात है, हम अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार स्वतंत्र और खुले कमर्शियल शिपिंग और समुद्री सुरक्षा के पक्ष में हैं। हम प्राथमिकता के तौर पर होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित और स्वतंत्र आवागमन सुनिश्चित करने की लगातार अपील करते रहे हैं। हम पश्चिम एशियाई संघर्ष से जुड़े सभी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। तो इस तरह हम बहरीन प्रस्ताव को देखते हैं। बता दें कि होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने की राह निकालने और इसे दुनिया के लिए सुरक्षित बनाने की मुहिम के तहत ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें 40 देश शामिल हुए जिनमें भारत भी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक सवाल के जवाब में बताया कि ब्रिटेन की ओर से भारत को भी एक खत मिला है और इसमें हमारी नुमाइंदगी भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री कर रहे हैं। संघर्ष अब दूसरे महीने में प्रवेश कर चुका है। सुरक्षा स्थिति को देखते हुए पश्चिम एशिया से भारत वापस आने वाले यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, अब तक 6 लाख से अधिक भारतीय यात्री इस क्षेत्र से स्वदेश लौट चुके हैं। सरकार ने सभी संबंधित मंत्रालयों के साथ समन्वय बनाकर स्थिति पर सतर्क नजर रखी हुई है।

छात्रवृत्ति से वंचित...

जिसके माध्यम से 53,041 छात्रों को कुल 81.12 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान की गई। इनमें अनुसूचित जाति के 25,395 छात्रों को 30.65 करोड़ रुपये तथा सामान्य वर्ग के 27,646 छात्रों को 50.47 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर जरूरतमंद छात्र तक शिक्षा का लाभ पहुंचे और कोई भी छात्र आर्थिक कारणों से अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। योगी सरकार की यह पहल न केवल शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे हजारों छात्रों को अपनी शिक्षा जारी रखने का अवसर मिलेगा और उनका भविष्य मजबूत होगा।

FdWXFF AFSFF FS FFQ FZ 16 AFi`F FZ FFF

फौजिया खान ने सरकार से मांग की कि ग्राहकों के हित में ग्रेस पीरियड को 30 दिन से बढ़ाकर 90 दिन किया जाए। लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार को दो पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के साथ शुरू हुई। ओडिशा के नारायण साहू और जंगवीर सिंह राज्यसभा के सदस्य रह चुके थे। सदन में उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। सरकार का मकसद 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन करना है। इसके जरिए महिलाओं के लिए तय कोटे को परिसीमन प्रक्रिया से अलग करना है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' साल 2023 में पारित किया गया था। इसके अलावा, एक अलग 'परिसीमन बिल' भी पेश किया जाएगा। महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए, इन दोनों बिलों को संवैधानिक संशोधन के तौर पर पारित किया जाना जरूरी है। उम्मीद है कि नई लोकसभा में सीटों की संख्या 800 से ज्यादा होगी। गौरतलब है कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू हुआ था। ब्रेक के बाद 9 मार्च को फिर से शुरू हुआ। पहले इसके खत्म होने की तय तारीख 2 अप्रैल थी।

आई-पीएसी के...

इस दौरान वहां ED की रेड चल रही थी ममता 8 जनवरी की दोपहर 12 बजे I-PAC के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पहुंची थीं। इस दौरान वहां ED की रेड चल रही थी। 8 जनवरी को ED की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था।

पूर्व सांसद की गाड़ी के आगे लेटा व्यापारी

बिजनौर में सिर बंपर में फंसा, बैक करने में घिसटता चला गया

- फैक्ट्री मालिक ने जमीन पर लेटकर अपना सिर गाड़ी के बंपर के अंदर डाल दिया।
- हंगामा बढ़ता देख जब पूर्व सांसद अपनी गाड़ी में बैठकर वापस लौटने लगे, तो आक्रोशित व्यापारी ने हंगामा शुरू कर दिए।

तमसा संकेत, एजेंसी

नगीना। बिजनौर में भाजपा के पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र सिंह की गाड़ी के आगे एक व्यापारी लेट गया। पुलिस ने हटाने की कोशिश की, तो वह बंपर में घुस गया और उसका सिर गाड़ी में फंस गया। ड्राइवर ने गाड़ी पीछे की, तो उसका शरीर कुछ मीटर तक घिसटता चला गया। पुलिस ने पैर पकड़कर घसीटकर उसे गाड़ी के नीचे से निकाला।

इसके बाद वह गाड़ी से अलग हुआ। इस दौरान व्यापारी कहता रहा- हमको गोली मार दो। व्यापारी को हटाने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करने पड़ी। इस दौरान करीब 30 मिनट तक हंगामा चलता रहा। घटना के समय पूर्व सांसद अधिकारियों के साथ एक लकड़ी फैक्ट्री में छापेमारी करने पहुंचे थे। इसी दौरान वहां विवाद हो गया। मामला बढ़ता देख पूर्व सांसद गाड़ी में बैठकर वापस लौटने लगे, तभी आक्रोशित व्यापारी उनकी गाड़ी के आगे लेट गया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676